पशुचिकित्सा विज्ञान में है शानदार भविष्य

डॉ0 सरोज कुमार रजक
सहायक प्राध्यापक
प्रसार शिक्षा विभाग,
बिहार पशुचिकित्सा महाविद्यालय, पटना

फिसिक्स, केमिस्ट्री एवं बायोलॉजी विषय से इंटरमिडियट करने वाले छात्रों का लक्ष्य मेडिकल या डेंटल में करियर बनाना होता है। परंतु कई बार अच्छी रैंक नहीं आने के वजह से अनेक छात्र मेडिकल या डेंटल में अपना स्थान सुनिश्चित नहीं कर पाते हैं। आईए हम चर्चा करते हैं कि छात्र मेडिकल/ डेंटल के अलावे किस प्रकार पशुचिकित्सा विज्ञान या भेटनरी सांइस में अपना सुनहरा करियर बना सकते हैं।

मेडिकल के समकझ ही भेटनरी साइंस भी पॉच वर्षीय डीग्री कोर्स होता है, तथा छह महिने का ईर्न्टनशिप होता है। इस विषय से स्नातक की (बी0भी0एस0सी0एण्डए0एच0) बैचलर ऑफ भेटनरी साइंस एण्ड एनिमल हसबैन्ड्री की डिग्री प्राप्तकर्ता एक पशुचिकित्सक के रूप में अपना करियर बना सकते हैं। आईए हम चर्चा करते हैं कि इस कोर्स को करने से आप किन क्षेत्रों में नौकरी प्राप्त कर सकते हैं।

1. अधिकतर डिग्रीधारी बिहार लोकसेवा आयोग द्वारा आयोजित साक्षात्कार के माध्यम से भ्रमणशील पशुचिकित्सा पदाधिकारी या प्रखण्ड पशुपालन पदाधिकारी के रूप में नियमित सेवा में जा सकते हैं। उपरोक्त पद राजपत्रित पदाधिकारी के होते हैं एवं इसका पे स्केल प्रखंड के चिकित्सालय में पदास्पित चिकित्सा मदाधिकारी (मेडिकल ऑफिसर)/ प्रखंड विकास पदाधिकारी (बी0डी0ओ0) / अंचल अधिकारी (सी0ओ0) के बराबर होता है। मेडिकल डॉक्टर की तरह भेटनरी डाक्टर को भी एन0पी0ए0 (गैर प्रेक्टीसिंग भत्ता) और अन्य सुविधाएँ प्राप्त होती है।
2. डिग्रीधारी भारतीय सेना द्वारा विज्ञापित आर0भी0सी0 (रॉयल भेटनरी कॉर्प्स) के तहत भारतीय सेना में पशुचिकित्सा पदाधिकारी के रूप में करियर बना सकते है। यहॉ भी इन्हें मेडिकल डाक्टर के समान ही वेतन एवं भत्ते मिलते हैं।
3. भेटनरी सांइस से ग्रेज्युएट छात्रों के लिए सरकारी बैंकों में पी0ओ0 (प्रोबेंशनरी अफसर) के पद आरक्षीत होते हैं। जिससे वे आसानी से प्रवेश पा सकते हैं।
4. डिग्रीधारी अपनी ईच्छानुसार अनेक प्राईवेट कंपनी में अपनी सेवा दे सकते हैं जैसे कि बायफ, जेन ईंडिया, क्षितिज एग्रोटेक, जिविका इत्यादि। यहॉ इन्हें अच्छे वेतन पर सेवा का मौका मिलता है।

Scanned with CamScanner

5. भेटनरी साइंस से उच्च शिक्षा (स्नातकोत्तर) करने पर करियर की स्तर भी बढ़ जाता हैं। स्नातकोत्तर या पी0जी0 के दौरान छात्र जूनियर रिसर्च फेलोसिप (जे0आर0एफ0) भी प्राप्त कर सकते हैं। भेटनरी साइंस से पी0जी0 करने पर (एमभीएससी अथवा मास्टर इन भेटनरी साइंस) छात्र भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (आई सी ए आर) नई दिल्ली द्वारा आयोजित एग्रीकल्चर रिसर्च सर्विस की परिक्षा उर्तिण करने पर संबंधित विषय में कृषि वैज्ञानिक बन सकते हैं जिसका वेतनमान एवं भत्ते देश के अन्य वैज्ञानिकों के बराबर ही होता है।
6. पी0जी0 करने वाले छात्र देश के किसी भी भेटनरी विश्वविद्यालय या कृषि विश्वविद्यालय में सहायक प्राध्यापक बन सकते हैं।
7. डी0आर0डी0ओ0 (डिफेंस रिसर्च एंड डेवेलपमेंट ऑरगानाईजेशन) जैसे केन्द्र सरकार की संस्था में वैज्ञानिक बन सकते हैं।
8. अनेक सरकारी संस्थाओं जैसे कृषि प्रोद्योगिकि प्रबंध अभिकरण (आत्मा), कृषि विज्ञान केन्द्र (के0भी0के0) में विषय वस्तु विशेषज्ञ एवं कृषि विभाग के तहत कृषि समन्वयक के तौर पर नौकरी पा सकते हैं।
9. एनिमल न्युट्रिशन से पी0जी0 करने वाले छात्रों को अच्छी फीड कंपनी में अच्छे पैकेज पर कैंपस सेलेक्शन भी होता है। एनिमल जेनेटिक्स एवं ब्रिडिंग विषय से पी0जी0 करने वाले छात्र अच्छे संस्थानों में ब्रीडर बन सकते हैं। इसी प्रकार फारमाकोलॉजी विषय से पी0जी0 करने वाले छात्र किसी फार्मासियुटिकल कंपनी में अच्छे पैकेज पर काम कर सकते हैं। पी0जी0 में हरेक विषय महत्वपूर्ण एवं रोजगारपुरक होता है।
10. पी0एच0डी0 करने वाले छात्र अपने डिग्री के दौरान सिनियर रिसर्च फेलोशिप के साथ विभिन्न क्षेत्रों में रिसर्च कर सकते हैं तथा उच्च पदों जैसे वैज्ञानिक, वरिष्ट वैज्ञानिक, प्रधान वैज्ञानिक, प्राध्यापक, विश्वविद्यालय प्राध्यापक जैसे प्रतिष्ठित पद पर आसिन हो सकते हैं।
11. पी0एच0डी0 की डिग्रीधारक छात्रों का देश में प्रतिष्ठित पदो के अलावे विदेशों में भी अच्छी मांग है। विदेशों में पोस्ट डॉक्टेरेट फेलोशिप के अलावे उन्हें अच्छें पैकेज पर नौकरी के ऑफर मिलते हैं।

जो छात्र विदेशों में नौकरी करना चाहते हैं उनके लिए पशुचिकित्सा विज्ञान से पी0जी0 एवं पी0एच0डी0 करने वाले छात्रों को अत्याधिक मौके मिलते हैं। विकसीत देशों में मेडिकल साइंस की अपेक्षा भेटनरी साइंस की डिमांड ज्यादा है तथा सैलरी की पैकेज भी ज्यादा है। एक पशुचिकित्सक को पशुओं के इलाज के साथ ही साथ पशुधन का उत्पादन भी बढ़ाना होता है जिससे पशुपालक किसान अपनी आमदनी बढ़ा सके। एक पशुचिकित्सक भेटनरी कॉउसिंल ऑफ ईडिया या राज्य के भेटनरी कॉउंसिल से रजिष्ट्रेशन कराकर चाहें तो अपना निजी क्लीनिक भी खोल सकते हैं या अपना फार्म खोल सकतें है।

Scanned with CamScanner

पशुचिकित्सा विज्ञान में करियर बनाने के लिए (बीसीईसीई) बिहार कम्बाईंड इंट्रेस कम्पीटेटिव ईक्जामिनेशन में अच्छा रैंक लाना होता है। दूसरी और छात्र प्रत्येक साल आयोजित होने वाले भेटनरी कॉउसिल ऑफ ईंडिया द्वारा ए0आई0पी0भी0टी0 (ऑल ईंडिया प्री भेटनरी टेस्ट) के द्वारा ऑल ईंडिया के 15 प्रतिशत सीट के लिए इन्ट्रेंस इक्जाम के द्वारा भी देश के किसी भी भेटनरी कॉलेज में अपनी सीट सुनिश्चत कर सकते हैं। वर्तमान में भेटनरी के लिए प्रतिष्ठित प्रतियोगिता नीट के द्वारा भेटनरी में ऑल ईंडिया सीट आवंटित होता है।

बैचलर ऑफ भेटनरी साइंस एडं एनिमल हसबैन्ड्री के लिए निम्ललिखित संस्थान में एडमिशन ले सकते हैं । कॉलेज एवं संबधित विश्वविद्यालय का नाम :–

1. आई सी ए आर , भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर, बरेली, यू0पी0।
2. आई सी ए आर, राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान, करनाल, हरियाना।
3. बिहार भेटनरी कॉलेज, पटना, बिहार एनिमल साइंसेज युनिवर्सिटी, पटना।
4. कॉलेज ऑफ भेटनरी साइंस, गुरू आनंद देव भेटनरी एंड एनिमल सांइसेस युनिवर्सिटी, लुधियाना, पंजाब।
5. मद्रास भेटनरी कॉलेज, तमिलनाडु भेटनरी एंड एनिमल सांइसेस युनिवर्सिटी, चेन्नई।
6. बॉम्बे भेटनरी कॉलेज, मुंबई, महाराष्ट्र एनिमल एंड फिशरीज साइंसेज युनिवर्सिटी, नागपुर, महाराष्ट्र।
7. कॉलेज आफ भेटनरी साइंस, लाला लाजपत राय युनिवर्सिटी ऑफ भेटनरी एंड एनिमल सांइसेस, हिसार, हरियाणा।
8- फेकल्टी आफ भेटनरी साइंस, वेस्ट बंगाल युनिवर्सिटी ऑफ एनिमल एंड फिशरी सांइसेज, बेलगाछिया, कोलकाता, प0 बंगाल।
9- कॉलेज आफ भेटनरी एंड एनिमल साइंसेज, मन्नुथी, केरला भेटनरी एंड एनिमल साइंसेज युनिवर्सिटी, पूकोड़, केरल।
10. कॉलेज आफ भेटनरी साइंस एड एनिमल हसबैंड्रि, जबलपुर, नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विष्वविद्यालय, जबलपुर, एम0पी0।
11. कॉलेज आफ भेटनरी एंड एनिमल सांइसेस, बिकानेर, राजस्थान युनिवर्सिटी ऑफ भेटनरी एंड एनिमल सांइसेस बिकानेर, राजस्थान।

उपरोक्त सभी संस्थान भेटनरी कॉउसिल ऑफ ईंडिया से मान्यता प्राप्त हैं। इसके अलावे देश में और भी मान्यता प्राप्त भेटनरी कॉलेज हैं। उपरोक्त सूची सिर्फ मार्गदर्शन हेतू है। छात्रों को सलाह दी जाती है कि विष्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट aipvt.vci.nic.in और icar.org.in पर जाकर अधिक जानकारी प्राप्त करें।

बीसीईसीई के माध्यम से भेटनरी की सीट फूल होने की स्थिति में छात्र अन्य विकल्प के रूप में डेयरी टेक्नालॉजी, फिशरीज, एग्रीकल्चर, आर्युवेद, होम्योपैथ ईत्यादि विषय में भी अपना करियर चुन सकते हैं।

Scanned with CamScanner